दान-पेटियों में लाखों की चढ़ोत्तरी, लेकिन हिसाब पर सवाल, कई मंदिरों के विवाद पहुंचे न्यायालय तक

आस्था के नाम पर खेल!

जिले के मंदिरों में बढ़ रहे हैं विवाद, चढ़ोत्तरी है मुख्य मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा (मनीष गड़करी)

जिले में धार्मिक आस्था के केंद्र बने कई मंदिर इन दिनों विवादों के कारण चर्चा में हैं। श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति से मिलने वाला लाखों रुपये का दान जहां मंदिरों के विकास और धार्मिक गतिविधियों में उपयोग होना चाहिए, वहीं कई स्थानों पर इन पैसों के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जिले के कई प्रमुख मंदिरों में वित्तीय लेनदेन, संपत्ति प्रबंधन और समिति संचालन को लेकर लगातार विवाद सामने आ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार मंदिर समितियों के बीच आपसी मतभेद, आर्थिक लेनदेन में पारदर्शिता की कमी और दस्तावेजों के सही संधारण का अभाव इन विवादों की मुख्य वजह बनता जा रहा है। यही कारण है कि कई मामलों में विवाद इतना बढ़ गया कि मामला न्यायालय तक पहुंच गया है।

दरअसल छिंदवाड़ा जिले के अनेक मंदिरों में श्रद्धालु हर दिन बड़ी संख्या में पहुंचते हैं और आस्था के चलते दान-पेटियों में हजारों-लाखों रुपये तक की राशि हर वर्ष दान के रूप में प्राप्त होती है। ऐसे में अपेक्षा की जाती है कि इन पैसों का लेखा-जोखा पूरी पारदर्शिता के साथ रखा जाए। लेकिन कई मंदिरों में वित्तीय लेनदेन का कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखा जाता, जिससे समय-समय पर विवाद की स्थिति बन जाती है।

इन मंदिरों में भी समिति संचालन, आर्थिक लेनदेन या संपत्ति प्रबंधन को लेकर समय-समय पर असंतोष की स्थिति बनी है। धार्मिक मामलों से जुड़े जानकारों का कहना है कि मंदिरों में आने वाले दान की राशि अक्सर बड़ी होती है। कई मंदिरों में हर महीने लाखों रुपये तक की चढ़त होती है। ऐसे में यदि इसका व्यवस्थित लेखा-जोखा न रखा जाए तो विवाद होना स्वाभाविक है।

कई मामलों में मंदिर की दान-पेटी से निकलने वाली राशि का पूरा हिसाब सार्वजनिक नहीं किया जाता। समिति के कुछ सदस्य या संबंधित लोग ही इस प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। जब अन्य सदस्यों को इस पर आपत्ति होती है तो विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है।कई मामलों में मंदिर की जमीन या अन्य संपत्ति को लेकर भी विवाद सामने आए हैं।

कुछ स्थानों पर मंदिर की संपत्ति के उपयोग को लेकर भी आपसी मतभेद देखने को मिले हैं। यही वजह है कि कई बार मामला प्रशासन या न्यायालय तक पहुंच जाता है।धार्मिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान ही नहीं बल्कि समाज की आस्था का केंद्र होते हैं। जब इन स्थानों पर आर्थिक अनियमितताओं या आपसी विवादों की खबरें सामने आती हैं तो इससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं और समाज में गलत संदेश जाता है।कुछ सामाजिक संगठनों का यह भी कहना है कि मंदिरों में होने वाले दान का उपयोग यदि पारदर्शिता के साथ किया जाए तो इससे धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक कार्यों को भी बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन जब इस पर सवाल उठते हैं तो लोगों का भरोसा कमजोर पड़ने लगता है।

कई श्रद्धालु भी अब यह सवाल उठाने लगे हैं कि मंदिरों में चढ़ने वाली राशि का उपयोग आखिर किस तरह किया जाता है और उसका सार्वजनिक हिसाब क्यों नहीं दिया जाता।धार्मिक मामलों के जानकारों का मानना है कि इस तरह की स्थितियों से बचने के लिए मंदिर प्रबंधन में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। यदि मंदिरों में नियमित रूप से ऑडिट कराया जाए और दान-पेटियों से प्राप्त राशि का सार्वजनिक विवरण जारी किया जाए तो विवाद की स्थिति काफी हद तक कम हो सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। कई लोगों का सुझाव है कि बड़े मंदिरों में प्रशासन की निगरानी में प्रबंधन व्यवस्था लागू की जाए या जरूरत पड़ने पर प्रशासक नियुक्त किए जाएं, ताकि आर्थिक लेनदेन और संपत्ति प्रबंधन पूरी पारदर्शिता के साथ हो सके।

विशेषज्ञों का मानना है कि धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो मंदिरों से जुड़े विवाद आगे भी बढ़ सकते हैं और इससे समाज की आस्था को ठेस पहुंचने की आशंका बनी रहेगी। फिलहाल छिंदवाड़ा जिले में मंदिर प्रबंधन से जुड़े इन विवादों ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि आस्था के इन केंद्रों में आर्थिक व्यवस्था को कितना पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सकता है। समाज के कई वर्ग अब उम्मीद कर रहे हैं कि इस दिशा में प्रशासन और संबंधित संस्थाएं जल्द ही कोई ठोस कदम उठाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था सुरक्षित रह सके और मंदिरों का संचालन नियमों के अनुरूप किया जा सके।

तहसील कार्यालय स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर

हाल ही में तहसील कार्यालय परिसर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर का विवाद सामने आया है। मंदिर में आर्थिक लेनदेन और समिति संचालन को लेकर सदस्यों के बीच काफी समय से असहमति चल रही है। बताया जाता है कि इस विवाद को लेकर आज भी मंदिर से जुड़े लोगों के बीच कशमकश की स्थिति बनी हुई है और मामला पूरी तरह शांत नहीं हो पाया है।

जामसांवली हनुमान मंदिर

छिंदवाड़ा जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल जाम सांवरी मंदिर में भी समिति के सदस्यों के बीच आपसी खींचतान की स्थिति सामने आ चुकी है। समिति के भीतर आपसी मतभेद इतना बढ़ गया कि मामला सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया और सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर कई तरह की बातें सामने आईं।

इन मंदिरों में भी चल रही खींचतान

इसी तरह चौरागढ़ मंदिर, अनगढ़ हनुमान मंदिर, बड़ा कुआं शिव मंदिर, गुलाबरा, षष्ठी माता मंदिर (परासिया रोड), राजराजेश्वर मंदिर शक्तिनगर और कलेक्टर बंगले के समीप स्थित महागौरी मंदिर भी किसी न किसी रूप में विवादों की चर्चाओं में रहे हैं।

केसरी नंदन हनुमान मंदिर

इसी तरह शहर के केसरी नंदन हनुमान मंदिर का मामला भी न्यायालय की शरण में पहुंच चुका है। यहां मंदिर की संपत्ति, प्रबंधन और वित्तीय लेनदेन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इस मामले में न्यायालय में सुनवाई जारी है और मंदिर प्रबंधन को लेकर अलग-अलग पक्ष अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

दरअसल मंदिर में कब्जे को लेकर सबसे बड़ा बवाल चल रहा है। वहीं अभी तीन दिन पूर्व ही समिति के ही कुछ सदस्यों ने अपने ही कथित ट्रस्ट के विरूद्ध एसडीएम कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं बजरंग दल, हिन्दू सेना जैसे संगठनों ने भी ट्रस्ट के नाम पर चल रही आर्थिक अनियमितताओं की शिकायत विभिन्न शासकीय संस्थाओं में की है। शहर के कुछ शिकायतकर्ताओं का मानना है कि मंदिर में आस्था के नाम पर बहुत लंबे समय से मनमानी की जा रही है। आय-व्यय के लेखा जोखा को लेकर सबसे अधिक सवाल खड़े किए गए हैं। दरअसल इस मंदिर में कब्जे को लेकर भी जायसवाल परिवार के साथ रस्साकसी शुरू है। वर्तमान में पुजारी के रूप में अनिल मालवी इस मंदिर परिसर में निवासरत है। जिस पर जमीन मालिक जायसवाल परिवार निरंतर विरोध बनाए हुए है। जमीन के कुछ विवाद हाईकोर्ट तक भी पहुंच चुके है। बेशकीमती जमीन पर नियमित इस मंदिर में वर्तमान में जो गतिविधियां चल रही है उसको लेकर विरोधी पक्ष निरंतर दस्तावेज तैयार कर रहे है और जल्द ही इस मंदिर का मामला पुनः एक बार न्यायालय की शरण में जाने को तैयार है क्योंकि वर्तमान समिति के सदस्यों में खानापूर्ति अधिक नजर आ रही है और समिति में पारदर्शिता का अभाव है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में सख्त कार्रवाई, चार पदाधिकारी 6 साल के लिए निष्कासित

परासिया :- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (मध्यप्रदेश) की बैठक 5 मार्च 2026 को मंडला में आयोजित की गई , जिसमें पार्टी विरोधी गतिविधियों और सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन की छवि धूमिल करने के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए चार पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया । यह निर्णय पार्टी द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया । पार्टी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व जिला अध्यक्ष छिंदवाड़ा देवराम उर्फ देवरावन भलावी , युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रवीण धुर्वे , किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप इनवाती तथा सिवनी जिले के रावनशाह उइके को संगठन विरोधी गतिविधियों और सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी की छवि खराब करने के आरोप में निष्कासित किया गया है ।बताया जा रहा है , कि विगत दिनों पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार नागवंशी भी इस मामले को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए थे । उन्होंने साफ चेतावनी दी थी कि कोई भी नेता या कार्यकर्ता पार्टी लाइन से हटकर ऊल - जलूल हरकतें करेगा तो उसे किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा । सूत्रों के अनुसार सतीश नागवंशी की नाराजगी के बाद ही देवीराम उर्फ देवरावन भलावी को पहले जिला अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था और अब पार्टी ने आगे की कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है ।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया , कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल कुछ अन्य पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उन्हें 15 दिनों के भीतर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं । संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी ।इसके अलावा सिवनी जिले के शक्ति सिंह सिसोदिया की 26 फरवरी 2026 को की गई नियुक्ति को भी निरस्त कर दिया गया है । इस मामले में अंतिम निर्णय प्रदेश समिति द्वारा लिया जाएगा ।पार्टी ने स्पष्ट किया है , कि संगठन की अनुशासनहीनता और छवि को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

परासिया में जमकर उड़ा गुलाल , खूब बरसा रंग

परासिया :- होली का पर्व कोयलांचल में बड़े ही शांति और सौहार्द पूर्ण मनाया गया । परासिया में गुरु गोविन्द सिंह तिराहे पर जमकर होली खेली गई । हुरियारों ने जमकर गुलाल उड़ाया और खूब रंग बरसाया । सभी राजनैतिक दलों के लोग , समाज सेवी , नागरिक आदि ने इस रंगोत्सव का खूब आनंद लिया । वहीं गुरुवार 5 मार्च को परासिया थाना परिसर में भी पुलिस वालों ने खूब होली खेली । अनुभाग के सभी थाना और चौकी क्षेत्र प्रभारी और पुलिस स्टाफ होली के रंग में डूब गया । इसी तरह चांदामेटा में भी सार्वजनिक रूप से होली खेलने का आयोजन किया गया , जिसमें स्थानीय नागरिकों ने बढ़ - चढ़ कर हिस्सा लिया और होली का भरपूर आनंद लिया ।

ब्लाक महिला काँग्रेस ने मनाया होली मिलन समारोह

परासिया। होली के पावन पर्व में ब्लाक महिला कांग्रेस परासिया ने वार्ड नम्बर 21 सेरेजिम परासिया में होली मिलन कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया । महिला कांग्रेस के द्वारा कुर्सी दौड़ सास्कृतिक कार्यक्रम तात्कालिक प्रश्न संगीत नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई । सभी महिलाओं को तिलक लगा कर सम्मानित किया गया । महिलाओं ने अपने अंदाज में गीत गाए । कार्यक्रम में श्रीमती अंजली श्रीवास्तव ब्लाक अध्यक्ष श्रीमती सावित्री वर्मा नगर अध्यक्ष श्रीमती मीना उइके रीना बावरिया ज्योति कैथवास वन्दना चौरसिया सुधा राजपूत तनुश्री भट्टाचार्य उर्मिला रजक शारदा कमरे सुनीता यादव तनया यादव ईशा खान मालती कहार रजनी श्रीवास्तव रितु सोनी इलमस परवीन आफरीन खान आरती बुनकर नवशीन अंसारी रोशनी पहाड़े अंकिता गौर हिना खान गंगा चन्देले नम्रता झा अनिता डेहरिया संगीता बेस पुष्पा डेहरिया पूनम साहू सकून लता प्रजापति माया यादव मीना यदुवंशी ज्योति विश्वकर्मा याशमीन बानो उषा उइके मन्जु पाठक अरुणा ठाकुर उपस्थित थी ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित

परासिया :- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत परासिया में शुक्रवार को सरपंच संघ , सचिव संघ , रोजगार संघ के संयुक्त तत्वावधान में जनपद सभा कक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें बड़ी संख्या में महिला जनप्रतिनिधि कर्मचारी अधिकारी उपस्थित हुए ।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती पूजन से प्रारंभ हुआ । सरपंच संघ की कोषाध्यक्ष इकलेहरा सरपंच के प्रयास से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ । सरपंच साधना दास ने कहा , कि महिलाएं अपने अधिकार कर्तव्यों का उपयोग करते हुए सतत समाज और देश का विकास करने में अग्रसर है । पंचायत निरीक्षक दीपा पाटिल ने महिला जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा , कि शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत महिलाएं विकास की ओर अग्रसर हैं । हर महिलाएं अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए समाज का विकास करने में योगदान दे रही है ।जनपद अध्यक्ष आशा आम्रवंशी ने भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा , कि महिलाएं मां , बेटी , बहू बनकर समाज के विकास करने में सहभागिता निभा रही है । कार्यक्रम में सरपंच संघ अध्यक्ष विपिन श्रीवास्तव , सचिव मोहन कहार , सचिव संघ के नितिन शुक्ला , सरपंच भारती उइके रिंकू डेहरिया , जयवंती कुमरे , शक्ति भलावी , सीमा भलावी , मनरेगा से कर्मचारी सुचित्रा शेंडे , सोफिया खान , आरती पाठे , सब इंजीनियर एवं जनपद सदस्य के रूप में महिलाएं शामिल हुई ।

कोयलांचल में घूम रहा हनीट्रैप का जिन्न

वेकोलि अधिकारी और कर्मचारी है निशाने पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

जिन्न एक ऐसा शब्द है , जिसको सुनने के बाद एक डर पैदा होता है । इसके आसपास होने की आहट भी अगर किसी को महसूस हो तो फिर उस व्यक्ति की हालत वही व्यक्ति जान सकता है , जिसने अपने करीब जिन्न की मौजूदगी का अहसास किया हो , पर इन दिनों कोयलांचल में पौराणिक कथाओं वाला जिन्न नहीं बल्कि हनीट्रैप का जिन्न घूम रहा है । जिसके निशाने ज्यादातर पर वेकोलि के अधिकारी और कर्मचारी है ।कोयलांचल क्षेत्र इन दिनों हनीट्रैप के जाल में फँसता दिखाई दे रहा है । सूत्र बता रहे हैं , कि पिछले कुछ महीनों में 15 से 20 वेकोलि अधिकारी और कर्मचारी इसके जाल में फंसकर लाखों रूपये गंवा चुके हैं , लेकिन बदनामी और घर टूटने के डर से कोई भी सामने आकर इस जाल को बिछाने वालों के खिलाफ शिकायत करने को तैयार नहीं हैं , पर जिन लोगों के साथ भी यह हुआ है , उनकी चर्चाएं लोगों के बीच जारी है । हनीट्रैप के जाल में लोगों को फंसाकर उनसे मोटी रकम लूटने वालों का एक बड़ा गिरोह है जो पूरे जिले में सक्रिय हैं । इसमें बहुत सी युवतियाँ हैं , और युवक हैं । युवक अपने - अपने क्षेत्रों में वेकोलि के रंगीन मिजाज लोगों से संपर्क करते हैं और फिर योजनाबद्ध तरीके से युवतियाँ उनतक पंहुचाई जाती है , बाद में पुलिस में शिकायत करने आदि की धमकी देकर मोटी रकम वसूली जाती है । सूत्रों से पता चला है , कि इस मामले से जुड़ी दो युवतियाँ शुक्रवार को छिंदवाड़ा से अपनी निजी कार लेकर चांदामेटा आई थीं । यहां किसी से 5 लाख रूपए भी लिए गए बताया जा रहा है । यह भी बताया जा रहा है , कि कुछ दिन पहले ही एक वेकोलि कर्मचारी से 8 लाख रूपये लिए गए हैं । अभी कुछ माह पहले भी बड़कुही में एक वेकोलि कर्मी को भी इसी तरह के जाल में फंसाकर 5 से 7 लाख रूपये वसूले गए हैं ।

जलसंकट पर ज्ञापन , जागा प्रशासन बैठक में चर्चा करने को तैयार

परासिया :- गर्मी आते हैं जल संकट हर तरफ गहराने लगा है और परासिया में आगामी दिनों में भीषण जनसंकट उत्पन्न होने की संभावना के चलते शहर कांग्रेस के द्वारा ज्ञापन दिया गया । इसके बाद प्रशासन जागा और जल संकट पर चर्चा करने को तैयार हो गया है । जिसके लिए आगामी 9 मार्च को एसडीएम के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया है । जिस पर जल संकट से उबरने को लेकर चर्चाएं की जाएंगी । इस बैठक में शहर के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों को बुलाया गया है । शहर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने बताया , कि नगर पालिका परासिया के द्वारा हर साल लोगों को साफ और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर बात कही जाती है , लेकिन जमीनी हकीकत ये होती है , कि हर साल शहर के लोगों को भीषण जल संकट से गुजरना पड़ता है । अभी वर्तमान में शहर के लोगों को 6 से 7 दिनों के अंतराल में पानी मिल रहा है ।

धमकी देने और गाली गलौच करने पर मामला दर्ज चांदामेटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

चांदामेटा में शराब दुकान संचालक के द्वारा धमकी देने और गाली गलौच करने के चलते शिकायतकर्ता प्रदीप विश्वकर्मा (मामा) की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है ।शिकायतकर्ता प्रदीप विश्वकर्मा ने बताया , कि वह गुरुवार 5 मार्च को चांदामेटा बस स्टैंड पर मौजूद शराब दुकान के समीप स्तिथ एक चाय की दुकान पर अपने दोस्त बंटी ऊर्फ विजय यदुवंशी और उमेश निकोसे के साथ शाम करीब 7:30 पर चाय पीने गए थे , तब शराब दुकान संचालक सोनू राय ने शिकायतकर्ता के साथ गाली गलौच की और जान से मारने की धमकी दी ।

दोस्तों ने उसे समझाया तो उनके साथ भी बदतमीजी की । जिसके शिकायत पुलिस में किए जाने पर पुलिस ने सोनू राय के खिलाफ बी एन एस की धारा 296(b) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है । गौरतलब है , कि शिकायतकर्ता के द्वारा कुछ दिन पहले जत्ती हनुमान मंदिर और बस स्टैंड से शराब दुकान हटाने को लेकर एस डी एम को ज्ञापन देकर मांग की गई थी । जिससे नाराज होकर दुकान संचालक द्वारा शिकायतकर्ता को धमकाया गया ।

आबादी में आ रहे हिंसक वन्य प्राणियों के कारण के निवारण पर करना होगा गौर

मुंगासिया के नजदीक तेंदुए के पगमार्क नजर आने से ग्रामीणों में दहशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

वन सभी जीवित प्राणियों का अस्तित्व महत्वपूर्ण है। वन जीवन के लिए अत्यावश्यक है, क्योंकि वन से भोजन आश्रय ईंधन वन प्राणियों को कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है। वन्यप्राणियों को सुरक्षित रखने के लिए वनों का संरक्षण आवश्यक है, लेकिन पिछले कुछ महीनो से तामिया एवं कुआं बादला सर्कल के जंगलों में रहने वाले हिंसक वन्य प्राणी तेंदुआ बाघ इस क्षेत्र की नदी नालों में इनके पगमार्क देखे जा सकते हैं।

लेकिन वन विभाग के मैदानी कर्मचारियों की मिली भगत से हो रहे रेत के अवैध उत्खनन के चलते रिहायसी इलाकों में आ रहे हैं। इसके उदाहरण तामिया पंचायत के चौरा पठार में बकरियों का शिकार फासी ढाना में बैल का शिकार खुट्टी गांव में वन प्राणियों का झुंड नज़र आना। ग्रामीणों में दहशत का वातावरण निर्मित करता है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का जीवन जंगल एवं उससे लगे क्षेत्र में होता है।

सूचना के बाद भी वन विभाग कोई ठोस कदम उठाने तैयार नहीं है। ग्रामीणों द्वारा हिंसक वन्य प्राणियों की मौजूदगी की सूचना वन विभाग को दी तो जाती है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई करने के लिए राजी नहीं है। जबकि वन अधिनियम के तहत वन्य प्राणियों की सूचना मिलने पर उसकी निगरानी एवं उसके पग मार्ग के आधार पर नजर रखी जानी चाहिए, लेकिन वन विभाग ना तो ग्रामीणों को सूचना देता हैं, ना ही कभी वन्य प्राणी के मूवमेंट पर नजर रखता हैं। इन दिनों कुर्सी ढाना पंचायत के ग्राम मुंगासिया के आसपास तेंदुए का मूवमेंट है और उसके पग मार्ग भी ग्रामीणों ने देखे हैं और उन्होंने अपने क्षेत्र के ग्रामीणों को सोशल मीडिया के माध्यम से हिंसक वन्य प्राणी तेंदुए की जानकारी साझा की है, लेकिन वन विभाग को जानकारी होने के बाद भी उन्होंने इस तेंदुए के मूवमेंट पर कोई नजर नहीं रखी। यदि ऐसे में कोई शिकारी पग मार्ग का पीछा करते हुए शिकार कर ले तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा क्योंकि वन विभाग का मैदानी अमला जंगल में जाने तैयार नहीं है।

वही पालतू पशुओं के शिकार किए जाने से ग्रामीण भी नाराज हैं कि हिंसक वन्य प्राणी हमारी जान ना ले ले ऐसे में कोई सिरफिरा उसकी जान ले सकता है। इस पर भी वन विभाग को गौर करना होगा, वहीं आबादी में आ रहे हिंसक वन्य प्राणियों के कारण का निवारण करने प्रयास करने होंगे।

छिंदवाड़ा में 'फील्ड डे' संपन्न, वैज्ञानिक पहुँच रहे किसानों के खेत में

छिंदवाड़ा: बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (**BISA**) और मध्य प्रदेश कृषि विभाग की साझा पहल से छिंदवाड़ा जिला अब जलवायु अनुकूल कृषि का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। **BISA** के प्रबंध निदेशक एवं **CIMMYT** के क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. बी. एम. प्रसन्ना के दूरदर्शी नेतृत्व में, अंतरराष्ट्रीय स्तर के कृषि अनुसंधानों को प्रयोगशालाओं से निकालकर सीधे मध्य प्रदेश के किसानों के खेतों तक पहुँचाया जा रहा है।इसी सफल प्रयास के तहत आज छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ विकासखंड के ग्राम चारगांव करहल में जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य गेहूं प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन मध्य प्रदेश शासन द्वारा मनाये जा रहे 'कृषक कल्याण वर्ष' के संकल्पों को धरातल पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

घायल को भेजना पड़ा नागपुर

हम किसी के बाप के नौकर नहीं, 1 घंटा लेट पहुंचे डॉ.अभिजीत का जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

कल 4 मार्च को धूरेंडी के मौके पर सड़क दुर्घटना में घायल युवक के इलाज के लिए सिविल अस्पताल में 1 घंटा लेट पहुंचे डॉ. अभिजीत गजभिए। जल्द इलाज दिलाने के लिए घायल को उसका मित्र नागपुर लेकर गया। लेकिन यहां सिविल अस्पताल में पहुंचकर डॉ अभिजीत ने घायल युवक के एक अन्य साथी से बहस के दौरान कहा कि हम किसी के बाप के नौकर नहीं है। डॉ साहब का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कल शाम 5 बजे महावीर वार्ड निवासी सागर देशमुख बाइक से सौंसर जा रहे थे। ग्राम सिवनी और उमरामुक्ता के बीच सागर की बाइक एक गड्ढे से उछलकर सड़क पर जा गीरी। इस दुर्घटना में सागर घायल हो गए और उनका एक हाथ बुरी तरह चोटिल हो गया। घायल सागर ने पांढुर्णा निवासी अपने मित्र प्रशांत माहुरकर एवं आकाश खन्ना को मोबाइल पर घटना से अवगत कराते हूए मदद के लिए बुलाया। प्रशांत और आकाश सागर को लेकर शाम 6 बजे सिविल अस्पताल पहुंचे। मौजूद नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि इस वक्त डॉ अभिजीत गजभिए ड्यूटी पर है, जो पहली मंजिल पर है, अभी जाएंगे। लेकिन घायल और उसके मित्रों के बारंबार निवेदन पर भी लगभग एक घंटे तक डॉ साहब का पता नहीं चला। इसके बाद प्रशांत अपने वाहन में सागर को लेकर नागपुर निकल गए जहां डॉक्टरों ने घायल के ऑपरेशन को जरुरी बताया। इस दौरान सिविल अस्पताल पांढुर्णा में पहुंचे डॉ अभिजीत गजभिए से घायल के दूसरे मित्र ने ड्यूटी से गैरहाजिर रहने को लेकर सवाल जवाब किए। डॉ ने भी घायल के मित्र को संतोषजनक जवाब ना देते हुए आवेश में जवाब दिए। जबकि दूसरी ओर घायल के मित्र अपनी पीड़ा व्यक्त करते देखे गए। इस बहस में डॉ अभिजीत गजभिए ने आपा खो दिया और हम किसी के बाप के नौकर नहीं है कहकर अपनी हठधर्मिता का प्रदर्शन किया।

मॉम एंड मी के तहत हुई फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता

पांढुर्णा। स्थानीय रामशांति विद्यामंदिर में मॉम एंड मी के कंसेप्ट के आधार पर कल 5 मार्च को फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें बच्चों की माताओं ने बडे ही उत्साहपूर्वक बढचढकर हिस्सा लिया। इस समारोह के आकर्षण का केंद्र होली स्पेशल कलरफुल फायरलेस कुकिंग रहा जिसमें माताओं और प्रायमरी के बच्चों ने मिलकर स्वादिष्ट एवं पोषक व्यंजन बनाए।

प्रतियोगिता में शामिल टीमों ने फल, सलाद, सैंडविच, रोल्स और हेल्दी व्यंजन बनाए। बच्चों ने रंग-बिरंगे फलों और सब्जियों के साथ अपने व्यंजनों को सजाकर प्रस्तुत किया। जज के रूप में डॉ. मान्या एवं प्री पारयमरी को-ऑर्डिनेटर रजन गाकरे रही। निर्णायक मंडल ने स्वाद, पोषण, प्रस्तुति और रूप रंग के आधार पर व्यंजनों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता ग्रेसी कानन एवं अर्चना सोमकुंवर, द्वितीय विजेता हितांश एवं प्रीति सोमकुंवर, तृतीय विजेता दक्षिता एवं जयश्री पराडकर रही। स्कूल मैनेजर रोहित धवले ने विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया।

मातृ - पितृ पूजन दिवस जैसे आयोजनों से जन जागृति आ रही है - भगवानदीन साहू

छिंदवाड़ा। हमारी सनातन संस्कृति में माता - पिता ही भगवान हैं। वृद्ध अवस्था में उनका लालन पालन करना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है। पश्चिमी सभ्यता के अंधानुकरण के कारण युवा पीढ़ी मार्ग से भटक रही है। इसे ठीक करने के लिए सद्भावना परिवार जैसी संस्था सामने आ रही हैं। जो गुजरात में 5 हजार से अधिक वृद्ध जनों का लालन पालन कर वृद्ध आश्रम संचालित कर रही हैं। इसके लिए राष्ट्रीय संत मोरारी बापू जी का योगदान भी सराहनीय है। जो अपनी राम कथा के माध्यम से विश्व भर में जन जागृति ला रहें हैं। उनके सेवाकार्य के लिए आर्थिक मदद भी जुटा रहे हैं। इसी कड़ी में लोहाणा परिवार जो यूनाइटेड किंगडम (लंदन) में निवासरत है , वहाँ के नागरेचा परिवार ने सद्भावना परिवार संस्था को 369 करोड़ रुपए की राशि दान में दी है। वहीं राजकोट के विजय भाई डोबरिया , धीरू भाई , मित्तल भाई खेतानी आदि ने भी वृद्ध जनों की सेवा कार्य के लिए सराहनीय कार्य किया है। मेरठ में एक अंतरराष्ट्रीय संस्था नाम की एक संस्था है जिसके डॉ. गोपाल शास्त्री जी भी सेवा कार्य मे लगे हैं। सद्भावना परिवार के अन्य कार्यक्रमों में सांसद पुरुषोत्तम रुपाला और राम भाई मोकरिया ने भी सहयोग किया। 369 करोड़ रुपए दान देने वाले विनुभाई नागरेचा , हसु भाई नागरेचा , उमीबेन राडिया का भी आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी विश्व प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य अतुलकुमार अढिया ने दूरभाष पर दी। सनद रहे कि परम पूज्य संत श्री आशाराम जी बापू द्वारा प्रेरित मातृ - पितृ पूजन दिवस से आम लोगों में जन जागृति आ रही है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदीन साहू ने भी सन 2012 में भी एक जनहित याचिका के माध्यम से देश के लाखों निराश्रित , निर्धन लोगों को वृद्ध आश्रम योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया है जिसका क्रमांक **wp** 7673। 2012 मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर है। यह सब देश में 74 करोड़ तथा जिले में 9 लाख माता- पिता पूजे गए खबर के वायरल होने के बाद सम्भव हुआ।

बानाबाकोड़ा में संत तुकाराम महाराज बीजोत्सव का आयोजन

सौंसर। ग्राम बानाबाकोड़ा में शुक्रवार को वैकुंठ गमन दिवस 'श्री संत तुकाराम महाराज बीजोत्सव' का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पिछले 64 वर्षों से चली आ रही निरंतर पावन सप्ताह की परंपरा के तहत इस वर्ष भी श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण परम पूज्य संत पद्माकर देशमुख महाराज रहे, जिनके श्रीमुख से भक्तों को अमृतमयी 'काला कीर्तन' सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।अपने ओजस्वी और मार्मिक कीर्तन में देशमुख महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि जिस प्रकार प्रभु ने प्रेम से माखन चुराकर खाया, उसी प्रकार भक्त को भी अपने जीवन में 'नाम, भक्ति और प्रेम' रूपी माखन को संजोना चाहिए। उन्होंने ₹कृष्ण गोकुळी जनमला₹ का भाव समझाते हुए कहा कि परमात्मा का अवतार वहीं होता है जहाँ प्रेम और भक्ति की भूमि हो। ईश्वर के दर्शन के लिए मनुष्य का हृदय पवित्र और निर्मल होना अनिवार्य है।इस आध्यात्मिक महोत्सव में क्षेत्रीय विधायक विजय चौरे, पूर्व विधायक अजय चौरे आदि ने विशेष रूप से उपस्थित होकर संतवाणी का लाभ लिया। उनके साथ ही आसपास के गांवों से आए सैकड़ों श्रद्धालु और स्थानीय ग्रामीणों ने हरिनाम संकीर्तन का आनंद उठाया। महाराज जी के भजनों और ओजस्वी वाणी से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।कीर्तन की समाप्ति के पश्चात परंपरा के अनुसार सभी श्रद्धालुओं ने 'दही-लाही' का प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद सामूहिक महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। उपस्थित जनों ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल मानसिक शांति देते हैं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं।

घोगरा वाटर फाल में हुआ होली मिलन समारोह

सौंसर। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल घोगरा वॉटर फॉल में रंगोत्सव के पावन अवसर पर भव्य 'होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख राजनीतिक चेहरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एक साथ मिलकर रंगों के इस त्यौहार को आपसी भाईचारे और उल्लास के साथ मनाया। होंली मिलन समारोह में मुख्य रूप से पूर्व विधायक अजय चौरे, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. वामन रावजी राउत, राधेश्याम डांगरा, भाजपा नेता राजू राठी, धिरज चौधरी, सतीश बोडखे प्रमुखता से उपस्थित रहे। आयोजन में विभिन्न दलों और संगठनों का दिखा संगमहोली मिलन के इस अवसर पर भाजपा, ओर अन्य संगठनों के पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी। कार्यक्रम में गगन गोहल, बलवंत फोले, विक्की कालबांडे, नंदू राय, अशोक ठाकरे,दिनेश लाड़से,अलकेश बागड़े,देवेंद्र कोचे, नंदू बावरे,प्रशांत गुहे, पुरुषोत्तम जूनघरे, पंकज गोयदानी, दीपक सालबर्डे, प्रेमराज लांडे, रविन्द्र चौरे, नरेंद्र फोले, शेषराव राउत,बंडू बेंडे सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

घर घर, बूथ स्तर तक भाजपा को मजबूत करने की कवायद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार, पांढुर्णा जिला भाजपा द्वारा जिले भर में 'संगठन समर्पण निधि अभियान' जोर-शोर से चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पार्टी के समर्पित और ईमानदार कार्यकर्ताओं को विचारधारा से जोड़कर संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना है।जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड के नेतृत्व में यह अभियान तेजी से गति पकड़ रहा है।

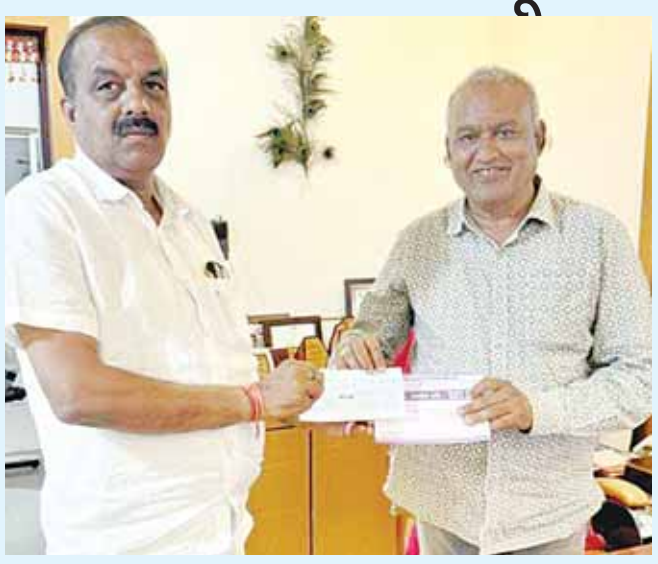

वे अपनी टीम के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और वरिष्ठ व सक्रिय कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर रहे हैं। इस दौरान कार्यकर्ताओं को समर्पण निधि अभियान में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प भी दिलाया जा रहा है।जिला अध्यक्ष संदीप मोहोड ने बताया कि इस अभियान का मूल उद्देश्य उन कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संगठन से जोड़ना है, जो वर्षों से भाजपा के सिद्धांतों और राष्ट्रहित की विचारधारा के लिए कार्य कर रहे हैं। अभियान के चलते जिले के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह और सक्रियता देखी जा रही है।प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के माध्यम से आने वाले दिनों में और अधिक समर्थकों को जोड़ा जाएगा। भाजपा का लक्ष्य इस अभियान के जरिए संगठन को बूथ स्तर तक इतना मजबूत बनाना है कि पार्टी की विचारधारा समाज के हर वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

न्याय के लिए दर-दर भटक रही महिला: लांजी की मुस्लिम महिला को नहीं मिला कानून का सहारा, पूर्व विधायक किशोर समरीते ने की कार्रवाई की मांग

पति पर कई शादियों और प्रताडना का आरोप, महाराष्ट्र में एनसीआर दर्ज पर लांजी पुलिस ने शिकायत तक दर्ज नहीं की

हरिभूमि न्यूज लांजी।

महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों की बात करने वाले कानूनों के बीच लांजी नगर के वार्ड क्रमांक 3 की निवासी मुस्लिम महिला रानी खान अपने दो छोटे बच्चों के साथ न्याय के लिए भटकने को मजबूर है। इस मामले में संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक किशोर समरीते ने दखल देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक परिवार का विवाद नहीं बल्कि महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों और न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता की परीक्षा का मामला है। उन्होंने कहा कि जब एक महिला भारतीय संविधान, मुस्लिम पर्सनल लॉ और शरियत तीनों कानूनों को मानते हुए न्याय की गुहार लगा रही हैए तब उसे दर-दर भटकना पडन्ना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री समरीते ने कहा कि देश में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए कई कानून बनाए गए हैंए लेकिन जब किसी पीड़ित महिला को पुलिस थाने तक में सुनवाई नहीं मिलती तो यह व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक और डीजीपी से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए कहा कि पीड़ित महिला को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जानकारी के अनुसार रानी खान ने अपने पति रियाज युसुफ छवारे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उसका पति लगातार महिलाओं से शादी करता है और कुछ समय बाद उन्हें छोड़ देता है। पीड़िता के अनुसार वह लंबे समय से मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक उत्पीडन्न का सामना कर रही है, जिसके कारण वह अपने दोनों बच्चों के साथ असुरक्षित और असहाय स्थिति में जीवन गुजारने को मजबूर है। बताया गया है कि घटना से जुड़ा मामला महाराष्ट्र के गोंदिया क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने इस प्रकरण में एनसीआर दर्ज की है। वहीं पीड़ित महिला ने लांजी पुलिस से भी न्याय की गुहार लगाई, लेकिन यहां उसकी शिकायत दर्ज करना भी उचित नहीं समझा गया। महिला का कहना है कि उसके साथ हुए अत्याचार के आधार पर धारा 498 के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए था। इस पूरे मामले पर एसकेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री समरीते ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति लगातार महिलाओं से विवाह कर उन्हें छोड़ देता है तो यह केवल सामाजिक अनैतिकता ही नहीं बल्कि गंभीर अपराध भी है। ऐसे मामलों में पुलिस को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए ताकि महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और उत्पीडन्न पर रोक लग सके। श्री समरीते ने यह भी कहा कि देश में महिला सशक्तिकरण की बातें तभी सार्थक होंगी जब पीड़ित महिलाओं को न्याय समय पर और निष्पक्ष रूप से मिल सके। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाए और उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। यह मामला महिला आयोग के जांच के दायरे में आना चाहिएए ताकि पीड़ित महिला को न्याय मिल सके और भविष्य में किसी अन्य महिला को इस तरह की पीड़ा का सामना न करना पड़े। वहीं रानी खान अपने दोनों बच्चों के साथ न्याय की आस लगाए प्रशासनिक अधिकारियों के दरवाजे खटखटा रही है।

परिवार में खुशी का माहौल, स्वजातीय जनों ने दी बधाई

नगर की बेटी पूर्वा अग्रवाल ने पास की सीए की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

नगर के एक प्रतिष्ठित अग्रवाल परिवार की बेटी पूर्वा अग्रवाल ने हाल ही में सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) की परीक्षा पास की है, जिससे परिवार में खुशी का माहौल है। पूर्वा की प्रारंभिक शिक्षा नगर के ही स्कूल से हुई है। पूर्वा ने अपनी मेहनत और लगन से सीए की परीक्षा पास की है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। 06 मार्च को दोपहर 12 बजे सीए की परीक्षा पास करने के बाद पूर्वा ने कहा, "मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और शिक्षकों को देती हूं, जिन्होंने मुझे हमेशा प्रेरित किया और मेरा समर्थन किया। मैं आगे भी मेहनत करूंगी और अपने करियर में सफलता प्राप्त करूंगी।" बता दें कि पूर्वा अग्रवाल नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी बसंत अग्रवाल की पुत्री और जितेन्द्र अग्रवाल की भतीजी है। पूर्वा अग्रवाल ने वर्ष 2026 जनवरी में आयोजित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की कठिन परीक्षा प्रथम प्रयास में ही 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण कर सफलता प्राप्त की है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने 1 मार्च को परीक्षा परिणाम घोषित किए है जिसमें पूर्वा अग्रवाल ने सफलता अर्जित की है। पूर्वा की इस सफलता से स्वजातीय जनों ने बधाई प्रेषित की है। वहीं परिवार में हर्ष की लहर है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रंगोत्सव

वारासिवनी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वारासिवनी के तत्वावधान में होली के पावन पर्व पर होली मिलन समारोह रंगोत्सव का अत्यंत गरिमामय और आत्मीय आयोजन किया गया। स्थानीय संघ कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक समरसता व भाईचारे का संदेश प्रसारित किया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन गत वर्षों की परंपरा को बनाए रखते हुए एक सामूहिक उत्सव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संतोष लिल्हारे एवं आशीष राठौर द्वारा होली के गीत की प्रस्तुतियां एवं सागर राठौर ने शानदार मिमिक्री करके सभी को हंसने पर मजबूर कर दिया। सभी स्वयंसेवकों ने पारंपरिक नृत्य करते हुए भरपूर आनंद उठाया, जिन्होंने भक्तिमय वातावरण निर्मित किया।

खूशबू बिसेन की याचिका पर पुनः सुनवाई कर 90 दिनों में प्रक्रिया पूर्ण करने के दिए आदेश

खैरलॉजी जनपद अध्यक्ष आशु बघेले की गद्दी पर मंडराया खतरा

मामला-जनपद अध्यक्ष चुनाव में जाति प्रमाण पत्र नहीं जमा करने का मामला, उच्च न्यायालय ने कलेक्टर बालाघाट के आदेश को किया रद्द

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। जनपद पंचायत खैरलॉजी की अध्यक्ष आशू गुनीराम बघेले की गद्दी पर एक बार फिर खतरा मंडरा रहा है। कलेक्टर बालाघाट द्वारा 18 दिसम्बर 2023 को दिए गए आदेश को उच्च न्यायालय जबलपुर के न्यायाधीश विशाल मिश्रा द्वारा निरस्त कर दिया गया है और आदेश की प्रति प्राप्त होने के तिथि से 90 दिनों के भीतर कलेक्टर बालाघाट को पुनः विचार कर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में जनपद पंचायत खैरलॉजी के चुनाव सम्पन्न हुए थे। उस दौरान जनपद पंचायत खैरलॉजी के क्षेत्र क्रमांक 20 से याचिकाकर्ता खूशबू बिसेन और क्षेत्र क्रमांक 19 से आशू गुनीराम बघेले सदस्य के रुप निर्वाचित हुए थे। जिसके बाद अन्य पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित जनपद पंचायत खैरलॉजी के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें खूशबू बिसेन व आशू बघेले ने चुनाव लड़ा था। जिसमें आशू बघेले ने चुनाव जीतकर अध्यक्ष निर्वाचित हुई थी। इस अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद याचिकाकर्ता खुशबू बिसेन ने जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर बालाघाट के समक्ष एक याचिका पेश करते हुए आशु बघेले द्वारा अध्यक्ष पद के नामांकन के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों में अपना जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के स्थान पर हलफनामा पेश करने का आरोप लगाते हुए उनके निर्वाचन को अवैध ठहराने का अनुरोध किया था। कलेक्टर बालाघाट ने इस याचिका पर सुनवाई के बाद 18 दिसम्बर 23 को अपने फैसले में खूशबू बिसेन की याचिका को खारिज कर दिया था। कलेक्टर बालाघाट द्वारा याचिका खारिज करने के बाद याचिकाकर्ता खूशबू बिसेन ने उच्च न्यायालय जबलपुर का रुख किया था और जहॉ पर उन्होंने कलेक्टर बालाघाट के आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय जबलपुर में सुनवाई के बाद 19 फरवरी 26 को न्यायाधीश विशाल मिश्रा द्वारा आदेश पारित किया गया है। न्यायालय में सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि जनपद अध्यक्ष आशु बघेले का पूर्व नाम यासमिन वल्द शेख महबूब जाति पिंजारा जन्म स्थान नागपुर महाराष्ट्र था तथा महाराष्ट्र राज्य में शपथकर्ता को अन्य पिछड़ा वर्ग का जाति प्रमाण पत्र जारी किया गया था। उनके द्वारा गुनाराम बघेले जाति पंवार ग्राम झिरिया तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट से हिन्दू रीति से विवाह किया गया था तथा विवाह के बाद उनका नाम आशु बघेले पति गुनाराम बघेले हो गया। उनके पति गुनाराम बघेले पंवार जाति के हैं, जो अन्य पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में अधिसूचित है। लेकिन उनके द्वारा दिए गए हलफनामे के अवलोकन से स्पष्ट था कि उनके द्वारा नामांकन पत्र के साथ मध्यप्रदेश राज्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी कोई जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया था। मध्यप्रदेश राजपत्र अनुलग्नक पृष्ठ 3 दिनांक 01.02.2019 को जारी अधिसूचना के अनुसार नामांकन पत्र के साथ संलग्न दस्तावेजों का विवरण, जिसके लिए उम्मीदवार को रसीद प्रदान की जाती है, का उल्लेख है, जिसमें क्रमांक 2 में यह निर्धारित है कि आरक्षित श्रेणी के सदस्य के मामले में मध्यप्रदेश सरकार के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र की प्रति संलग्न की जानी चाहिए और इसे निर्धारित तिथि और

समय पर जांच से पहले संलग्न किया जाना चाहिए। आदेश के अनुसार संशोधित अधिसूचना में जाति प्रमाण पत्र के स्थान पर शपथ पत्र प्रस्तुत करने का कोई उल्लेख नहीं है। मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के नियम 31 ए के अनुसार आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति, देनदारियों और शैक्षणिक योग्यताओं से संबंधित जानकारी के लिए शपथ पत्र/घोषणा की आवश्यकता होती है। इसलिए, यह स्पष्ट रूप से स्पष्ट है कि प्रतिवादी आशु बघेले द्वारा मध्यप्रदेश सरकार के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी कोई जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। विवादित आदेश के अवलोकन से यह देखा गया है कि कलेक्टर ने चुनाव याचिका पर विचार करते समय मध्यप्रदेश राज्य चुनाव आयोग भोपाल द्वारा दिनांक 05.12.2014 को जारी अधिसूचना का संज्ञान लिया है। लेकिन चुनाव वर्ष 2022 में हुए थे। उस समय तक, मध्यप्रदेश में संशोधित अधिसूचना पंचायत निर्वाचन नियम 1995 मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 01.02.2019 के माध्यम से पहले ही प्रकाशित हो चुका था और लागू था। इसलिए, चुनाव याचिका पर विचार करते समय कलेक्टर द्वारा उक्त अधिसूचना पर विचार किया जाना आवश्यक था। कलेक्टर द्वारा उक्त संशोधित अधिसूचना पर कोई विचार नहीं किया गया है। केवल इसी आधार पर यह कहा जा सकता है कि कलेक्टर द्वारा पारित आदेश अस्थिर हैं, क्योंकि उन्होंने दिनांक 01.02.2019 की बाद की संशोधित अधिसूचना पर विचार नहीं किया है जिसमें नामांकन पत्र के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों का उल्लेख किया गया है। आदेश के अनुसार प्रतिवादी आशु बघेले ने मध्यप्रदेश सरकार के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र के संबंध में न तो नामांकन पत्र में और न ही उसके द्वारा प्रस्तुत हलफनामे में उल्लेख किया है कि उसके पास मध्यप्रदेश सरकार के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह ओबीसी समुदाय से संबंधित है। नामांकन पत्र या नामांकन पत्र के साथ प्रस्तुत हलफनामे में इस प्रकार के किसी भी उल्लेख के अभाव में, अधिकारियों द्वारा इस पहलू पर विचार नहीं किया जा सकता था। चूंकि इस न्यायालय ने पहले ही यह निष्कर्ष निकाला है कि माननीय कलेक्टर ने दिनांक 01.02.2019 की बाद की अधिसूचना पर विचार नहीं किया है, जिसमें आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के मामले में जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है, इसलिए दिनांक 18.12.2023 का विवादित आदेश अस्थिर हो जाता है, इसे रद्द किया जाता है। आदेश के अनुसार याचिकाकर्ता खूशबू बिसेन द्वारा दायर चुनाव याचिका पर पुनर्विचार करने और मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन नियम में दिनांक 01.02.2019 को प्रकाशित मध्यप्रदेश राजपत्र में हुए संशोधन को ध्यान में रखते हुए, कानून के अनुसार नए सिरे से निर्णय लेने हेतु मामले को कलेक्टर जिला बालाघाट को वापस भेजा जाता है, क्योंकि यह संशोधन वर्ष 2022 में हुए चुनावों पर लागू होता है।

खबर संक्षेप

सेन समाज का होली मिलन समारोह आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नगर सेन समाज सिवनी के तत्वाधान में आज दिनांक 07.03.2026 दिन शनिवार शाम 6 बजे समस्त श्री सेन बंधुओं का होली मिलन समारोह मराही माता, काली चौक, सिवनी में आयोजित है जिसमें श्री सेन जी महाराज की जयंती मनाने एवं नगर सेन समाज सिवनी के अध्यक्ष का चयन होगा। समस्त श्री सेन बंधुगण उत्साह उमंग से शांति पूर्वक होली मिलन समारोह में सभी स्वजातीय बंधुओ से छीद्धिलाल श्रीवास ने निवेदन किया कि कार्यक्रम सादर समय पर उपस्थिति हो।

हायर सेकेंडरी की परीक्षा मे 87 परीक्षार्थी अनुपस्थित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल द्वारा आयोजित हायरसेकेंडरी मुख्य परीक्षा 2025-26 अंतर्गत 5 मार्च को जिले के 75 परीक्षा केन्द्रों में भूगोल, कॉप प्रोडेक्शन एंड हॉर्टिकल्चर तथा शरीर रचना क्रिया-विज्ञान एवं स्वास्थ्य विषय की परीक्षा आयोजित की गई।

परीक्षा में कुल 6313 परीक्षार्थी दर्ज थे, जिनमें से 6226 उपस्थित तथा 87 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान किसी प्रकार का नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिवनी में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। वहीं जिलास्तरीय उडऩदस्ता दल द्वारा बरघाट, खामी, विजयपानी सहित विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा निर्विघ्न एवं सुचारु रूप से संचालित पाई गई।

बाइक फिसलने से युवक गंभीर घायल, जबलपुर रेफर

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुडोपर गांव के पास गुरुवार देर रात एक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान अनूप सैयाम (20) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह घंसौर से अपने घर सियामऊ जा रहा था। जानकारी के अनुसार बाइक अचानक फिसलने से अनूप सडक़ पर गिर पड़ा और उसे गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस के पहुंचने पर प्राथमिक उपचार के बाद घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर ले जाया गया। डॉक्टरों ने युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। फिलहाल अनूप की हालत स्थिर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां वाहनों और लोगों का आवागमन काफी अधिक रहता है। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास अन्य वाहन या ज्यादा लोग मौजूद नहीं थे, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों का कहना है कि सडक़ पर फिसलन या असंतुलन के कारण बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। घटना की सूचना मिलते ही घंसौर थाना पुलिस भी सक्रिय हो गई। थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झरिया ने बताया कि बाइक फिसलने से युवक के घायल होने की सूचना मिली है और मामले की जांच की जा रही है।

लखनादौन नगर परिषद 83 लाख के आवंटन विवाद में विधिक महासंग्राम

अध्यक्ष मीना गोल्हानी ने किया ईओडब्लू जांच का स्वागत, साजिशकर्ताओं पर साधा निशाना

हरिभूमि न्यूज छब्बी लाल कमलेशिया लखनादौन/ सिवनी। नगर परिषद लखनादौन में दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया को लेकर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर की एफआईआर के बाद क्षेत्रीय राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। अध्यक्ष श्रीमती मीना बलराम गोल्हानी ने इस विधिक घेराबंदी के बीच कड़ा रुख अपनाते हुए जांच का पूर्ण हृदय से स्वागत किया है। उन्होंने इसे सत्य की विजय का मार्ग बताते हुए स्पष्ट किया कि वर्तमान नेतृत्व पारदर्शिता के प्रति संकल्पित है और इस जांच से उन चेहरों का पर्दाफाश होगा जो व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए दुर्भावनापूर्ण आरोप लगा रहे हैं।

ईओडब्ल्यू की विधिक घेराबंदी: 23 नामजद आरोपियों पर एफआईआर

जांच एजेंसी ने वर्ष 2020 की निविदा प्रक्रिया में 82.70 लाख की कथित राजस्व क्षति का आकलन करते हुए प्रकरण क्रमांक 43/2026 पंजीबद्ध किया है। प्रमुख विधिक धाराएं: भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (लोक सेवक द्वारा अमानत में खयानत), 120बी (आपराधिक षड्यंत्र) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(सी) व 13।

आरोपों का केंद्र: 13 दुकानों का बिना पूर्ण भुगतान कब्जा सौंपना और आरक्षित एसटी दुकान क्रमांक 7 के आवंटन में विसंगति को जांच का मुख्य बिंदु बनाया गया है।

नामजद आरोपी: तत्कालीन सीएमओ गजेन्द्र पाण्डे, पूर्व सीएमओ गीता वाल्मीकि और अध्यक्ष मीना बलराम गोल्हानी सहित कुल 23 आरोपियों के विरुद्ध विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

अध्यक्ष मीना गोल्हानी का विधिक व तार्किक प्रतिवाद

अध्यक्ष ने इस पूरी कार्रवाई को विधिक चश्मे से देखते हुए बिंदुवार स्पष्टीकरण जारी कर विरोधियों को निरुत्तर किया है।

प्रक्रियात्मक स्वायत्तता: अध्यक्ष ने दोटूक शब्दों में कहा कि वर्ष 2020 की निविदा प्रक्रिया उनके कार्यकाल की नहीं है। उन्होंने रेखांकित किया कि निविदा शर्तों का विधिक सत्यापन और तकनीकी जांच पूरी तरह से प्रशासनिक अधिकारियों (सीएमओ) व लिपिकीय स्टाफ का उत्तरदायित्व है। अध्यक्ष की भूमिका नीतिगत निर्णयों तक सीमित होती है।

आरक्षण एवं स्थल परिवर्तन की विधिक स्थिति- श्रीमती गोल्हानी ने स्पष्ट किया कि एसटी वर्ग के आरक्षण को परिवर्तित नहीं किया गया है, बल्कि स्थल परिवर्तन पूर्णतः विधि सम्मत रूप से किया गया है। दुकानों की संख्या पूर्ववत है और उनके आयतन (साईज) में कोई विसंगति नहीं की गई है। आरक्षण परिवर्तन की प्रक्रिया शासन के निर्धारित नियमों के अधीन प्रीमियम राशि राजकोष में जमा करने के बाद ही निष्पादित की गई है।

ठेकेदार की संदिग्ध भूमिका

अध्यक्ष और पूर्व अधिकारियों ने संयुक्त रूप से आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता ठेकेदार द्वारा मार्केट कॉम्प्लेक्स का कार्य अत्यंत निम्न गुणवत्ता से किया जा रहा था। भ्रष्टाचार और गुणवत्ता से समझौता न करने के कारण प्रतिशोध स्वरूप यह दुर्भावनापूर्ण शिकायत दर्ज कराई गई है।

डिफाल्टर ठेकेदार और विधिक कवच की तलाश

नरसिंहपुर हॉस्पिटल रोड (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) के निर्माण में अत्यधिक विलंब करने वाला और पेट्रोल पंप मार्केट व रघुनाथ कॉलोनी मार्केट की दुकानों में निम्न स्तर की शटर लगाने वाला यह ठेकेदार अब विधिक कवच खोज रहा है। अध्यक्ष श्रीमती मीना गोल्हानी द्वारा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और कार्य में लापरवाही के कारण निविदा निरस्त करने की कार्यवाही से बौखलाकर, उसने अपनी विफलताएं छिपाने हेतु नेतृत्व पर यह रणनीतिक प्रहार किया है।

सुश्री गीता वाल्मीकि (पूर्व सीएमओ) का पक्ष

विधिक पारदर्शिता:दुकानों के श्रेणी परिवर्तन का निर्णय व्यक्तिगत न होकर, निकाय की वित्तीय स्थिति और शासन के स्पष्ट विधिक नियमों के अधीन था। राजकोष में विधिवत प्रीमियम राशि जमा कराने के उपरांत ही यह प्रक्रिया पूर्ण की गई है, जो पूर्णतः दस्तावेजी साक्ष्यों पर आधारित है।

भू-माफिया सिंडिकेट: संबंधित ठेकेदार और अवैध कॉलोनी संचालकों द्वारा बनाया गया अनैतिक दबाव, भ्रष्टाचार के विरुद्ध मेरी कठोर कार्यप्रणाली का प्रतिशोध है। गुणवत्ता से समझौता न करने पर मेरा स्थानांतरण कराना और अब विधिक संस्थानों को भ्रमित करना, भू-माफियाओं के एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है।

सत्य अडिग है: अध्यक्ष मीना बलराम गोल्हानी ने दोहराया कि परिषद ने किसी को भी बिना भुगतान कब्जा नहीं सौंपा है। उन्होंने कहा, हम ईओडब्ल्यू की कार्रवाई का स्वागत करते हैं। यह जांच उन तत्वों को बेनकाब करेगी जिन्होंने व्यक्तिगत स्वार्थ और प्रतिशोध के लिए संस्था की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया है।

अंडर-18 बालक वर्ग की चयन प्रतियोगिता आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला क्रिकेट संघ सिवनी के तत्वावधान में अंडर-18 बालक वर्ग की टीम चयन हेतु एकदिवसीय (वन-डे) चयन प्रतियोगिता का आयोजन 7 मार्च 2026, शनिवार को प्रातः 10 बजे स्थानीय पॉलीटेक्निक मैदान में किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए डीसीए के सचिव शाहिद नजीर ने बताया कि चयनित टीम संभागीय क्रिकेट संघ जबलपुर द्वारा जबलपुर में आयोजित अंतर्जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेगी। प्रतियोगिता में सिवनी की टीम बालाघाट के विरुद्ध वन-डे मुकाबला खेलेगी। चयन प्रतियोगिता में शामिल होने के इच्छुक खिलाडिय़ों के लिए आधार कार्ड (मूल प्रति) एवं डिजिटल जन्म प्रमाणपत्र (मूल प्रति) साथ लाना अनिवार्य किया गया है। सभी खिलाडिय़ों को 7 मार्च को प्रातः 10 बजे व्हाइट ड्रेस में मैदान पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। डीसीए सचिव ने बताया कि सबसे पहले सभी खिलाडिय़ों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। दस्तावेजों की पुष्टि के बाद फिटनेस टेस्ट एवं फील्डिंग टेस्ट लिया जाएगा, तत्पश्चात ही ट्रायल प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। बिना मूल दस्तावेज के किसी भी खिलाड़ी को चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए राकेश जैन (9300144340), बंटी सराठे (9424383635), जय श्रीवास्तव (9425175253) एवं अनुपम बिसेन (9893543840) से संपर्क किया जा सकता है।

हत्या के प्रयास के मामले में फरार तीन आरोपी गिरफ्तार, कार-पिस्टल व कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी अजीत उपाध्याय, प्रबुद्ध शुक्ला सहित एक अन्य आरोपी को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से एक कार, पिस्टल, जिंदा कारतूस और चाकू बरामद किए गए हैं।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई सिवनी शहर में हाल ही में एक युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में की गई। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली पुलिस की विशेष टीम बनाकर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी पेंच टाइगर रिजर्व क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक कार, पिस्टल, जिंदा कारतूस और चाकू बरामद किए गए।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी अजीत उपाध्याय और प्रबुद्ध शुक्ला के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें मारपीट और हत्या के प्रयास जैसे संगीन अपराध शामिल हैं। पुलिस लंबे समय से उनकी तलाश कर रही थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों का शहर के प्रमुख मार्गों पर जुलूस भी निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

बाघिन और शावकों को देखकर पर्यटक रोमांचित हो उठे

सिवनी। पेंच टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को रोमांचक दृश्य देखने को मिला। सफारी पर निकले पर्यटकों के सामने जुगनी बाघिन अपने चार शावकों के साथ बेखौफ होकर चहलकदमी करती दिखी। खुले रास्ते पर शान से चलते बाघिन और शावकों को देखकर पर्यटक रोमांचित हो उठे। इसका वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार यह घटना तब हुई, जब पर्यटकों की जिप्सी एक वन मार्ग से गुजर रही थी। उसी दौरान जुगनी बाघिन अपने चार शावकों के साथ बिना किसी डर के कची सडक़ पार कर जंगल की ओर बढ़ती दिखी। देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पेंच नेशनल पार्क में मुख्य रूप से बाघों के दीदार के लिए पहुंचते हैं।पेंच नेशनल पार्क मध्य प्रदेश के सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में फैला हुआ है। इसका एक हिस्सा महाराष्ट्र के नागपुर जिले तक भी विस्तृत है। पेंच नदी के नाम पर बने इस राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1975 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला था। बाद में इसे टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। यह अभयारण्य घने जंगलों, घास के मैदानों और पहाडिय़ों के लिए जाना जाता है। पेंच टाइगर रिजर्व को विश्वप्रसिद्ध लेखक रुडयार्ड किपलिंग की कृति द जंगल बुक से प्रेरित जंगल भी माना जाता है। यहां बाघ और तेंदुए के अलावा भालू, जंगली कुत्ता, चीतल, सांभर, नीलगाय, गौर जैसे अनेक वन्यजीव पाए जाते हैं। साथ ही, यहां पक्षियों की 250 से अधिक प्रजातियां दर्ज की गई हैं, जो इसे पक्षी प्रेमियों के लिए भी एक आकर्षक स्थल बनाती हैं।पर्यटन की दृष्टि से पेंच नेशनल पार्क महत्वपूर्ण है। यहां जीप सफारी और हाथी सफारी के माध्यम से पर्यटकों को जंगल भ्रमण की सुविधा मिलती है। अक्टूबर से जून तक का समय भ्रमण के लिए उपयुक्त रहता है। पेंच टाइगर रिजर्व न केवल पर्यटन को बढ़ावा देता है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्व. डी.पी. चतुर्वेदी जयंती पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन सम्पन्न

हास्य-श्रृंगार और संवेदना से सजी शाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

भारत विकास परिषद सिवनी के तत्वावधान में स्वर्गीय डी.पी. चतुर्वेदी के जन्मदिन के अवसर पर भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन 5 मार्च को किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से पधारे कवियों ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दिल्ली से आई कवयित्री रजनी श्रीवास्तव ने बुंदेली गीतों, हास्य और श्रृंगार रस की रचनाओं से मंच को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। झांसी के कवि पंकज अंगार ने संवेदनशील गीतों की प्रस्तुति देकर भावनात्मक वातावरण निर्मित किया। बैतूल से पधारे हरीश पांडे ने बेटी विषय पर आधारित मार्मिक काव्य पाठ से उपस्थित जनसमूह को भावुक कर दिया। इसी क्रम में रमेश श्रीवास्तव, जगदीश तपिश और अवनीश पाठक ने भी अपनी सशक्त प्रस्तुतियां दीं। डीपीसी विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक काव्य पाठ कर कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रामकुमार चतुर्वेदी एवं परिषद के संयोजक गणेश गुप्ता, सुनील मालू, सुबोध बाझल एवं आकाश नाहर ने सभी आमंत्रित कवियों का सम्मान किया। इस अवसर पर सांसद नीता पटेरिया, अखिलेश यादव, अन्नपूर्णा मिश्रा, राजेंद्र तिवारी, मुकेश मनमौजी, श्रीमती अंबिका प्रदीप शर्मा, संजय जैन संजू, सतीश मिश्रा सहित परिषद के पदाधिकारी एवं समस्त स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम साहित्य, संस्कृति और सामाजिक समरसता का सशक्त उदाहरण बना।

विधायक दिनेश राय मुनमुन जिला बैठक एवं कार्यकारिणी परिचय सम्मेलन मे हुए सम्मिलित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

शुक्रवार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन जी जिला बैठक एवं कार्यकारिणी परिचय सम्मेलन मे सम्मिलित हुए। जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय बारापत्थर सिवनी मे दोपहर 01 बजे से अशोक रोहाणी विधायक एवं जिला संगठन प्रभारी के मुख्य आतिथ्य तथा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन की अध्यक्षता मे आयोजित प्रथम जिला बैठक एवं कार्यकारिणी परिचय सम्मेलन मे विधायक दिनेश राय मुनमुन ने सम्मिलित होकर शाल, श्रीफल से आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं, जिला पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

हृदय गति रुकने से शिकारा क्षेत्र के जनशिक्षक एवं बालक छात्रावास अधीक्षक रम्मू लाल पंदे का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

घंसौर। घंसौर-शिकारा क्षेत्र के वरिष्ठ जनशिक्षक एवं अधीक्षक श्री रम्मू लाल पंदे का हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर जैसे ही क्षेत्र में फैली, शिक्षा जगत सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित और सरल स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले पंदे जी के अचानक चले जाने से सहकर्मी, विद्यार्थी और क्षेत्रवासी गहरे दुख में हैं।

बताया जा रहा है कि गुरुवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद हृदय गति रुकने से उनका देहांत हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और सामाजिक कार्यकर्ता उनके निवास पर पहुंचने लगे और परिजनों को सांत्वना दी।

श्री रम्मू लाल पंदे अपने कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव और अनुशासनप्रिय कार्यशैली के लिए जाने जाते थे। उन्होंने लंबे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं और अनेक विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में कई शैक्षणिक गतिविधियों को गति मिली और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी।

उनके सहकर्मियों का कहना है कि पंदे जी हमेशा अपने कार्य के प्रति सजग रहते थे और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहते थे। उनका व्यवहार बेहद सरल और मिलनसार था, जिसके कारण वे सभी के बीच लोकप्रिय थे।

परिवार और समाज के लिए यह अपूरणीय क्षति मानी जा रही है। क्षेत्र के लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करें।

जानकारी के अनुसार दिवंगत रम्मू लाल पंदे का अंतिम संस्कार शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे ग्राम मटेखारी में किया गया, जहां बड़ी संख्या में शिक्षक, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जीतो सिवनी महिला विंग की भव्य कार रैली

कैंसर एवं थैलेसीमिया जागरूकता के लिए 8 मार्च को आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 8 मार्च को जीतो सिवनी महिला विंग द्वारा स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज से एक भव्य कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में कैंसर एवं थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना है।

कार रैली के माध्यम से नागरिकों को इन बीमारियों के लक्षण, रोकथाम एवं समय पर उपचार के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। आयोजकों का संदेश है कि यदि समय रहते जागरूकता बढ़े और सही समय पर उपचार लिया जाए, तो अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं। जीतो लेडीज विंग सिवनी का उद्देश्य समाज को एकजुट कर इन बीमारियों के प्रति जागरूक करना है, ताकि हम मिलकर कैंसर एवं थैलेसीमिया मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा सकें। इस अवसर पर जीतो लेडीज विंग सिवनी ने समस्त नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं तथा अधिक से अधिक संख्या में रैली में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

कलेक्टर ने धनौरा क्षेत्र की पंचायतों में किया भ्रमण

ग्रामीण विकास की योजनाओं के संचालन का लिया जायजा

केशव राय धनोरा -आज कलेक्टर श्रीमति शीतला पटले ने विकासखंड धनौरा का भ्रमण कर ग्राम पंचायत देवरी टीका में संचालित शासकीय गौशाला का अवलोकन कर गौपूजन कर गौग्रास खिलाया,इस गौशाला में 170 से अधिक आवारा पशुओं का व्यवस्थित पालन समूह द्वारा किए जाने को लेकर पंचायत की सराहना की।सचिव के.के साहू ने गौशाला में कराए जा रहे नवाचारों से सूचित किया।

ग्राम पंचायत पिपरिया भसुड़ा में मनरेगा योजना से निर्माणाधीन अमृत सरोवर कार्य का निरीक्षण कर भराव क्षेत्र के आंकलन पर तकनीकी अमले को आवश्यक निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत साजपानी में ग्राम चौपाल लगाकर क्षेत्र की जल आपूर्ति पर गहन समीक्षा की, नल जल योजना से जल आपूर्ति को निर्बाध और लगातार स्वच्छ पेय जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जल निगम को निर्देश दिए।ग्राम चौपाल में सभी विभागों के जिम्मेदार,ग्रामीण महिलाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही।

गौरतलब है कि 26 जनवरी 2026 को दिल्ली से सम्मानित हुई ग्राम पंचायत साजपानी की सरपंच द्वारा कलेक्टर के आगमन पर स्वागत किया गया,सचिव शमशेर खान ने पंचायत द्वारा किए जा रहे नवाचारों के बारे में कलेक्टर को अवगत कराया।

कलेक्टर पटले द्वारा संकल्प से समाधान अभियान के शिविर व प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की,जिसमें निराकरण की प्रगति 99% निराकरण पाए जाने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धनौरा व कार्यरत अमले की प्रशंसा की।

विकसित भारत-जी राम जी योजना के प्रचार प्रसार व योजना के नवीन प्रावधानों की विस्तृत जानकारी भी ग्रामीण जनों को दी गई। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी भूपेंद्र सिंह राजपूत ने मनरेगा योजना की समीक्षा कर जनपद के लेबर बजट की जिले में सर्वप्रथम 97% प्रतिशत लक्ष्य पूर्णता की जानकारी देकर जल गंगा संवर्धन अभियान एवं आगामी 19 मार्च से लागू होने वाले जल संचय-जन भागीदारी की अग्रिम कार्ययोजना के बारे में कलेक्टर को अवगत कराया।

इस दौरान कलेक्टर ने सभी ग्रामीणों से जल संचय के साथ साथ जल की हर बूंद को सहेजने की अपील की। हिंगवानी पहुंचकर मनरेगा से विकसित हाईटेक प्लांटेशन का अवलोकन कर शासकीय भूमियों पर कराए गए बृहद वृक्षारोपण में पौधों की उत्तरजीविता व पौधों की अच्छी ग्रोथ देखकर पंचायत अमले की सराहना करते हुए सभी स्थानों पर इस प्रकार के अनुकरणीय संदीपनी विद्यालय साजपानी एवं मुर्गाहाई के निर्माणाधीन विद्यालय भवनों का निरीक्षण कर कार्य गुणवत्तायुक्त होकर आगामी शैक्षणिक सत्र के पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने की रेल ओव्हर ब्रिज के कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 06 मार्च को सेतु निर्माण संभाग, लोक निर्माण विभाग, रेलवे, यातायात विभाग के अधिकारियों एवं ठेकेदारों की बैठक लेकर जिले में विभिन्न स्थानों पर बनाये जा रहे रेल ओव्हरब्रिज निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम श्री गोपाल सोनी भी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम सरेखा रेलवे ओव्हरब्रिज के कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि ब्रिज के सरफेस सुधार का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ब्रिज पर हाईमास्क लाईट एवं स्ट्रीट लाईट चालू कर दी गई है। कलेक्टर श्री मीना ने इस रेलवे ब्रिज के नीचे की भूमि का व्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए एसडीएम श्री गोपाल सोनी को नगर पालिका एवं स्थानीय नागरिकों के साथ समन्वय कर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये।

बालाघाट-गर्रा रोड पर बन रहे रेल ओव्हरब्रिज के कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस ब्रिज पर लाइटिंग एवं सिविल वर्क किया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा बताया गया कि गर्डर लांचिंग में विलंब हो रहा है और यह कार्य 30 अप्रैल तक पूर्ण कर लिया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने इस पर कहा कि गर्रा के इस ओव्हरब्रिज में गर्डर लांचिंग के कार्य की समय सीमा 30 अप्रैल के बाद नही बढायी जाएगी। अतः गर्डर लांचिंग का कार्य 30 अप्रैल के पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि डेंजर रोड के सुधार एवं मरम्मत का कार्य तथा साइड सोल्डर भरने का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें। डेंजर रोड पर रेलवे ब्रिज के नीचे सडक का सुधार कार्य भी तेजी से करने के निर्देश दिये गए।

वारासिवनी-वारा में बन रहे रेल ओव्हरब्रिज कार्य की समीक्षा में बताया गया कि ब्रिज के ऊपर हाईमास्क लाईट लगाने का कार्य चल रहा है। 20 मार्च से इस ब्रिज पर आवागमन शुरू कर दिया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने ठेकेदार को निर्देशित किया कि 20 मार्च से इस ब्रिज पर आवागमन शुरू करने के पूर्व शेष सभी कार्य पूर्ण कर लिये जाए।

बालाघाट-भटेरा के बीच बनने वाले रेल ओव्हरब्रिज कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस ब्रिज के लिए भू-अर्जन की कार्यवाही अंतिम चरण में है। भूमि अधिग्रहण के एवज में 25 करोड रुपए की राशि का 02 दिनों के भीतर वितरण कर दिया जाएगा। राशि वितरण के साथ ही ठेकेदार द्वारा ब्रिज का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस दौरान बालाघाट से भटेरा की ओर दो पहिया, चार पहिया वाहनों एवं यात्री बसों के आवागमन पर चर्चा की गई। बताया गया कि बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे के मकान के सामने से दो पहिया एवं हल्के वाहनों के लिए आवागमन की व्यवस्था की जा रही है। लामता की ओर से आने वाले बसों के लिए अस्थायी बस स्टैण्ड के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान यह भी सुझाव दिया गया कि लामता की ओर से आने वाली यात्री बसों को कुम्हारी से वैनगंगा पुल पार कर धपेरा-मोहगांव-बेहरई-कनकी होते हुए बालाघाट लाया जा सकता है। इससे अस्थायी बस स्टैण्ड बनाने की आवश्यकता नही होगी। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम श्री सोनी को यातायात प्रभारी एवं परिवहन विभाग के अधिकारी के साथ स्थल निरीक्षण करने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि वारासिवनी-कटंगी रोड शेरपार चौकी पर बन रहे ओव्हरब्रिज का कार्य 30 जून तक पूर्ण कर लिया जाएगा। वारासिवनी-कटंगी रोड में अगासी चौकी पर रेल ओव्हरब्रिज का कार्य पूर्ण हो गया है और इससे आवागमन चालू हो गया है। बैठक में जागपुर घाट पर बन रहे पुल के कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जागपुर घाट के पुल के फाउंडेशन का 52 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है और 11 नग गर्डर कास्टिंग का कार्य पूर्ण हो गया है। इस पुल के गर्डर नदी में बनाये गए है। इनका उपयोग वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व अनिवार्य रूप से करना होगा अन्यथा नदी में बाढ आने पर यह गर्डर क्षतिग्रस्त हो सकती है।

कलेक्टर श्री मीना ने शेरपार चौकी के रेल ओव्हरब्रिज का कार्य 30 जून तक पूर्ण कर उसे आवागमन शुरू कर देने के निर्देश दिये। उन्होंने जागपुर घाट पर बनाये जा रहे पुल के कार्य को जून माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिये और कहा कि इस पुल के गर्डर लांचिंग का कार्य वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व नही करने पर गर्डर के क्षतिग्रस्त होने पर ठेकेदार की जिम्मेदारी रहेगी और उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ श्री अर्जुन सिंह सनोडिया, एसडीओ श्री दिलीप बोहरे, सुश्री अरूणा सिरसाम, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे नागपुर के इंजीनियर श्री मोहन चौधरी, श्री विनोद कुमार मस्के, श्री नवीन कुमार, यातायात प्रभारी सुश्री यीना राहंगडाले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बी.डी.कतरोलिया एवं ब्रिज निर्माण करने वाले ठेकेदार उपस्थित थे।

अवैध रूप से मरीज भर्ती कर उपचार करने पर शिवशक्ति दवाखाना लालबर्रा की संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज लालबर्रा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने लालबर्रा में अवैध रूप से रोगियों को भर्ती कर उपचार करने के मामले में शिवशक्ति दवाखाना की संचालक डॉ. उमा बिसेन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके क्लीनिक को बंद कर दिया जाए और उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाए। डॉ. उमा बिसेन को 07 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर 27 फरवरी 2026 को जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. रित्विक पटेल द्वारा अपराह्न 3:45 बजे बालाघाट रोड लालबर्रा स्थित शिवशक्ति दवाखाना का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक में संजय बिसेन उपस्थित पाए गए, जिन्होंने अपनी योग्यता बी.ई.एम.एस. (इलेक्ट्रोहोम्योपैथी) बताई। निरीक्षण के समय भवन का किराया अनुबंध पत्र प्रस्तुत नहीं किया जा सका। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि डॉ. उमा बिसेन द्वारा श्रीमती एस.एम.देव होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज बालाघाट से माह जून 2018 में बी.एच.एम.एस. योग्यता प्राप्त कर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से दिनांक 06 फरवरी 2021 को उपाधि प्राप्त की गई है, उक्त बी.एच.एम.एस. योग्यता का राज्य होम्यापैथी परिषद मध्यप्रदेश भोपाल में पंजीयन क्रमांक 25691 दिनांक 13 अक्टूबर 2020 है, जिसकी वैद्यता अवधि दिनांक 22 दिसम्बर 2030 तक है।

जांच के दौरान यह भी पाया गया कि दवाखाना के प्रथम कक्ष में रोगी पंजीयन कक्ष, द्वितीय कक्ष में चिकित्सकीय परामर्श कक्ष तथा तृतीय कक्ष में तीन बिस्तर लगे हुए थे। हालांकि निरीक्षण के समय कोई भी रोगी भर्ती नहीं पाया गया और क्लीनिक में एलोपैथिक दवाइयां भी नहीं मिलीं। साथ ही क्लीनिक परिसर में किसी भी चिकित्सक की शैक्षणिक योग्यता या पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदर्शित नहीं पाए गए। जांच दल को दवाखाना में रोगियों के उपचार या भर्ती के लिए किसी प्रकार की वैधानिक अनुमति भी उपलब्ध नहीं कराई गई। नियमों के विरुद्ध क्लीनिक संचालन पाए जाने पर उपस्थित व्यक्ति द्वारा दवाखाना को फिलहाल बंद कर विधिवत अनुमति प्राप्त करने के बाद ही पुनः संचालन शुरू करने का आश्वासन दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने इन तथ्यों के आधार पर दवाखाना संचालक डॉ. उमा बिसेन को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सात दिवस के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना लिखित प्रतिवाद प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने दिया ज्ञापन, 13 को धरना प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। संगठन ने अन्य पिछड़ा वर्ग की जाति आधारित जनगणना कराने सहित विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद किया है।

प्रदेश महासचिव रामदास ठवकर ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम नहीं रख रही है, जिससे इस वर्ग की वास्तविक संख्या स्पष्ट नहीं हो पाएगी। संगठन ने मांग की है कि जाति आधारित गणना के बिना ओबीसी वर्ग को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, जिसे तत्काल सुधारा जाए।

ज्ञापन में अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और ओबीसी के हितों के संरक्षण के लिए सख्त यूजीसी बिल लागू करने की मांग की गई है। इसके साथ ही, वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) की अनिवार्यता से मुक्त रखने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया है।

संगठन ने आंदोलन की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया कि 13 मार्च को जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके उपरांत 23 मार्च को विशाल रैली निकाली जाएगी और मांगों के निराकरण न होने की स्थिति में 23 अप्रैल को संपूर्ण भारत बंद का आयोजन किया जाएगा।

अमित जोगी का आगमन 8 को, बालाघाट में रोजा अफ्तार में होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के सुपुत्र और अमित जोगी का 8 मार्च को बालाघाट आगमन हो रहा है। जारी कार्यक्रम अनुसार रायपुर से वे सड़क मार्ग होते हुए अपरान्ह 4 बजे बालाघाट पहुंचेंगे। जोगी समर्थक रहीम खान ने बताया कि अमित जोगी के बालाघाट आगमन पर जगह-जगह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें सरेखा रेलवे ओवरब्रिज के पास, हनुमान चौक, आंबेडकर चौक में स्वागत उपरांत प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी सर्किट हाउस पहुंचेंगे। यहां विश्राम करने के बाद वे सायंकाल 5.30 बजे आंबेडकर चौक में बाबा साहब आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के

उपरांत हॉटल शीतल पैलेस में आयोजित रोजा रफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने रवाना होंगे। जिनका काली पुतली चौक पर समर्थको द्वारा स्वागत किया जाएगा। हॉटल शीतल पैलेस में रोजा अफ्तार कार्यक्रम के बाद, वे ब्रम्हनी स्थित फार्म हाउस में समर्थको से मुलाकात और चर्चा उपरांत सर्किट हाउस पहुंचेंगे। जहां रात्रि विश्राम के बाद 9 मार्च को वह रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। श्री खान ने बताया कि माहे रमजान के मुबारक मौके पर अमित जोगी के आतिथ्य में कौमी एकता और मुल्क एवं शहर की अमन चैन की दुआओं के लिए रोजा अफ्तार का आयोजन किया गया है। जो सायंकाल 6.10 बजे, हॉटल शीतल पैलेस में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हीना कावरे, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं विधायक संजय उईके, विधायक अनुभा मुंजारे, मधु भगत, विवेक विक्की पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार और पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेसी अशोकसिंह सरस्वार भी उपस्थित रहेंगे।

208 कोबरा बटालियन कैम्प परिसर में होली का पर्व धूम-धाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। 208 कोबरा बटालियन, केन्दीय रिजर्व पुलिस बल, बड़गांव, किरनापुर, म.प्र. कैम्प परिसर में 4 मार्च 2026 को होली का पर्व मुख्य अतिथि श्री प्रमोद चौधरी, द्वितीय कमान अधिकारी की अध्यक्षता में बहुत ही धूम-धाम से मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, बहादुर जवान एवं उनके परिवारजन सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि महोदय ने वरिष्ठ अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं बहादुर जवानों के साथ मिलकर होली खेली, और उन्हें होली के पर्व की पावन महत्ता के बारे में बताते हुए शुभकामनाएं दी। इसके अलावा क्षेत्रीय कावा अध्यक्षा (RCWA Head) श्रीमती बबीता चौधरी द्वारा कैम्प परिसर में उपस्थित सभी महिलाओं एवं बच्चों के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन बहुत ही धूम-धाम एवं हर्षोउल्लास के साथ किया, और उन्हें होली की शुभकामनाएं दी।

कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए बहाना होता था पसीना, अब नल से घरों में पहुंच रही है जलधारा

जल जीवन मिशन ने बदली वनांचल के ग्राम चरचेंडी की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे विकासखंड बिरसा की ग्राम पंचायत हर्राभाट के वन क्षेत्र में स्थित ग्राम चरचेंडी में लोगों को कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करना पड़ता था और पसीना बहाना होता था। सुबह की पहली किरण के साथ ही गाँव की माताएँ-बहनें सिर पर घड़े और हाथों में बाल्टियाँ लेकर दूर के जलस्रोतों की ओर निकल पड़ती थीं। पानी के लिए संघर्ष की यह थकाऊ यात्रा उनकी रोजमर्रा की नियति बन चुकी थी। कई बार पानी कम पड़ जाता तो दिन भर की मेहनत के बाद भी प्यास अधूरी रह जाती।लेकिन आज वही चरचेंडी एक नई कहानी लिख रहा है। अब इस गाँव की गलियों में पानी के लिए कतारें नहीं लगतीं, बल्कि हर घर के आँगन में लगे नल से शुद्ध पेयजल की धारा बहती है। यह बदलाव संभव हुआ है जल जीवन मिशन के माध्यम से, जिसने इस दूरस्थ वनांचल में उम्मीद और खुशहाली का नया सवेरा ला दिया है।बालाघाट जिला मुख्यालय से लगभग 112 किलोमीटर दूर बसे इस गाँव में अधिकतर लोग कृषि और मजदूरी पर निर्भर हैं। बरसों तक यहाँ पानी की समस्या सबसे बड़ी चुनौती बनी रही। गर्मियों में तो हालात और भी कठिन हो जाते थे। महिलाएँ और बच्चे दिन का बड़ा हिस्सा पानी लाने में ही गुजार देते थे। फिर 14 सितंबर 2023 को शुरू हुआ जल जीवन मिशन का काम, जो इस गाँव के लिए भगीरथ प्रयास साबित हुआ। आधुनिक तकनीक के साथ यहाँ 75 केएल क्षमता की ऊँची पानी की टंकी और 20 केएल का सम्पवेल बनाया गया है। इसके माध्यम से गाँव के लगभग 270 घरों तक पाइपलाइन से पानी पहुँचाया गया और 'हर घर नल' का सपना साकार हो गया।अब चरचेंडी की सुबह का दृश्य बदल चुका है। पहले जहाँ महिलाएँ पानी के मटके लेकर दूर निकल जाती थीं, वहीं आज घर के आँगन में ही नल खोलते ही साफ पानी मिल जाता है। इससे न केवल ग्रामीणों के जीवन में सुविधा आई है, बल्कि स्वास्थ्य और स्वच्छता के स्तर में भी सुधार हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव बच्चों के जीवन में आया है। पहले जो बच्चे अपनी माँ के साथ पानी लाने में समय बिताते थे, अब वही बच्चे स्कूल की किताबों में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। समय की यह बचत उनके सपनों को नई उड़ान दे रही है।गाँव की महिलाएँ मुस्कुराते हुए कहती हैं कि अब पानी के लिए चिंता नहीं करनी पड़ती। घर के पास ही पानी मिल जाने से जीवन पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। ग्रामीण इस परिवर्तन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। आज चरचेंडी में नल से बहता पानी सिर्फ प्यास ही नहीं बुझा रहा, बल्कि यह गाँव के विकास, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता की नई कहानी भी लिख रहा है। वनांचल के इस छोटे से गाँव में बहती यह जलधारा अब खुशहाली की धारा बन चुकी है।

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर ने ली शहरी विकास की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में 06 मार्च को शहरी विकास अभिकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी श्री राहुल नायक सहित सभी नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन के अंतर्गत लंबित सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेयजल की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि पेयजल में गंदगी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही कलेक्टर श्री मीना ने सभी नगर पालिका अधिकारियों को स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना शीघ्र कराने के निर्देश दिए। बैठक में की स्थापना को लेकर भी विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति गीता भवन की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी नगरीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जो आवास अभी तक पूर्ण नहीं हुए हैं, उन्हें बारिश के मौसम से पहले हर हाल में पूर्ण कराया जाए। ऐसा न करने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और समय पर कार्य पूर्ण करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

अफवाहों पर ध्यान न दें, जिले में डीजल, पेट्रोल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार: जिला आपूर्ति अधिकारी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। जिले में पेट्रोलियम पदार्थों की कमी को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से फैल रही अफवाहों को लेकर जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आरके ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि बालाघाट जिले में डीजल, पेट्रोल एवं एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आम नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत पेट्रोलियम (BPCL) सहित अन्य तेल कंपनियों ने भी स्पष्ट किया है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह सामान्य रूप से संचालित हो रही है। तेल कंपनियां निर्बाध रूप से ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर नियमित रूप से सप्लाई भेजी जा रही है।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री ठाकुर ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि डीजल, पेट्रोल या एलपीजी की कमी से संबंधित किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करें। नागरिक अपनी दैनिक आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन का क्रय करें और पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ लगाकर पैनिक की स्थिति उत्पन्न न करें। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है और प्रशासन द्वारा तेल कंपनियों के साथ लगातार समन्वय बनाकर ईंधन की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। आम नागरिकों से अनुरोध है कि केवल आधिकारिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें और अफवाहों से दूर रहें। जो कोई भी व्यक्ति डीजल पेट्रोल एवं एलपीजी का भंडार खत्म होने के संबंध में अफवाह या गलत जानकारी फैलाएगा या प्रसारित करेगा उसके विरूद्ध कडी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान की तैयारियों के लिए दिये निर्देश

जिले में 19 मार्च से प्रारंभ होगा जल गंगा संवर्धन अभियान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा जल संरक्षण के लिए आगामी 19 मार्च से प्रदेश के सभी जिलों के साथ ही बालाघाट जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया जाएगा। जिले में इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 06 मार्च को अधिकारियों की बैठक लेकर इस अभियान के लिए सभी आवश्यक तैयारियॉ करने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य कराये जाने है। इसके साथ ही जल स्त्रोतों, कुओं एवं पुरानी बावडियों के संरक्षण के लिए कार्य करना है। जल संरक्षण के लिए तालाब, स्टॉप डेम, चेकडेम, कंटूर ट्रेंच एवं अन्य संरचनाओं का निर्माण करना है। नगरीय क्षेत्रों में नालों एवं नालियों का सौंदर्यीकरण किया जाना है। नगरीय क्षेत्रों में इस कार्य को स्वच्छता सर्वेक्षण के साथ जोडकर करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों में स्थित सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य करना है। इसके साथ ही नगरीय क्षेत्रों में ग्रीन एरिया डेवलपमेंट के कार्य करना है और अमृत योजना के कार्यों को पूर्ण करना है। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले में जिन आंगनवाडी केंद्रो के शासकीय भवन है उनमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं पोषण वाटिका अनिवार्य रूप से तैयार की जाए। प्रत्येक आंगनवाडी में पोषण वाटिका के लिए 10 हजार एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए 16 हजार रुपए की राशि व्यय करना है। इस प्रकार 26 हजार रुपए से सभी भवनो वाले आंगनवाडी केंद्रो में यह कार्य व्यवस्थित रूप से किये जाए। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इस अभियान के अंतर्गत बांधों एवं नहरों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के साथ ही उनकी सफाई एवं गहरीकरण का कार्य किया जाए। वन विभाग के अधिकारियों से कहा गया कि इस अभियान के अंतर्गत वन क्षेत्र में वन्य प्राणियों के लिए तालाब आदि का निर्माण किया जाए।

बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में इस अभियान के अंतर्गत तालाब गहरीकरण, जल स्त्रोतों की सफाई एवं वृक्षारोपण के कार्य किये जाए। वृक्षारोपण के कार्यों को फेंसिंग के साथ करना है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि सभी हैण्डपंप एवं जल जीवन मिशन की योजनाओं के जल स्त्रोतों की सफाई व स्वच्छता का कार्य कराए। इसके साथ ही सभी हैंडपम्प एवं अन्य जल स्त्रोतों में वाटर रिचार्ज की व्यवस्था की जाए।